क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

दैनिक क्रांति समय

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई. सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 02 अंक: 108, सोमवार, 13 मई, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ममता का आरोप- केंद्रीय बलों की वर्दी में बंगाल घुस रहे भाजपा -आरएसएस कार्यक्रता

नेशनल डेस्क। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा सरकार पर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए केंद्रीय बलों का प्रयोग करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्हें आशंका है कि भाजपा एवं आरएसएस के कार्यकर्ता चुनाव कराने के लिए बलों की वर्दी पहन राज्य में प्रवेश कर रहे हैं। बनर्जी ने दक्षिण परगना जिले के बसंती इलाके में एक रैली में कहा कि मैं केंद्रीय बलों का अपमान नहीं कर रही। लेकिन उन्हें मतदाताओं को प्रभावित करने का निर्देश दिया गया है। ममता ने कहा कि पश्चिम बंगाल में केंद्रीय बलों की नियुक्ति करने के नाम पर भाजपा जबरन आरएसएस एवं भाजपा कार्यकर्ता को यहां भेज रही है। उन्होंने कहा कि मुझे शक है कि आरएसएस कार्यकर्ताओं को (केंद्रीय बलों की) वर्दी में पश्चिम बंगाल में भेजा जा रहा है। बनर्जी ने कहा कि घाटल निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी भारती घोष की सुरक्षा का प्रभार संभाल रहे केंद्रीय बलों के अधिकारियों की गोलीबारी में तृणमूल कांग्रेस का एक कार्यकर्ता घायल हो गया। उन्होंने कहा, आज केंद्रीय बलों ने एक केंद्र में गोली चलाई। सीएम ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्रीय बलों के कर्मी कतार में खड़े मतदाताओं से भगवा पार्टी के पक्ष में वोट डालने को कह रहे थे। वह ऐसा कैसे कर सकते हैं? मतदाताओं को भाजपा के लिए वोट डालने के लिए कहना क्या केंद्रीय बलों का काम है? कुछेक सेवानिवृत्त अधिकारियों को मोदी सरकार की तरफ से यहां मतदान कराने के लिए प्रयोग में लाया जा रहा है और उन्हें जो समझ रहा है वे वह कर रहे हैं। ममता ने कहा कि आपको यह करते हुए शर्म आनी चाहिए...आप यहां अपना कर्तव्य निभाने के लिए हैं। आज आप मोदी के तहत काम कर रहे हैं, कल को किसी ओर के तहत होंगे। तब आप क्या करेंगे? पश्चिम बंगाल में लोकसभा की आठ सीटों पर छठे चरण के तहत हो रहे चुनावों के लिए केंद्रीय बलों की करीब 770 कंपनियों को स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तैनात किया गया है।

दतिया में बुजुर्गों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया मतदान

दतिया। मध्यप्रदेश के भिण्ड लोकसभा क्षेत्र के दतिया में बुजुर्गों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर मताधिकार का उपयोग किया। 86 वर्षीय महाराज कुमारी और 92 वर्षीय फूल कुशवाहा ने नाती के साथ हाई स्कूल सिविल लाइन मतदान केन्द्र में लाइन में लगकर मताधिकार का उपयोग किया। ग्राम सेरसा केन्द्र में 85 वर्षीय जनक राय, 80 वर्षीय जनका बाई, 90 वर्षीय छत्तो रायकवार और ग्राम उनाव बालाजी में 94 वर्षीय शिवा तिवारी ने मतदान किया। दतिया में मतदान केन्द्र क्रमांक-65 पर कु. निशि राय ने पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग किया। गाड़ीखाना मतदान केन्द्र में कु. रश्मि पांचाल ने भी पहली बार मतदान किया। दिव्यांग भगोनीराम ट्राई-साइकिल से और दिव्यांग संतोष कुमार ने हाथ छड़ी के सहारे दतिया के शासकीय हाई स्कूल क्रमांक-1 में पहुँचकर मतदान किया। उनाव बालाजी निवासी ज्योति ने ससुराल में सासू माँ राजकुमारी के साथ मतदान केन्द्र में लाइन में लगकर मतदान किया। सासू माँ राजकुमारी ने कहा कि - मैंने आज बहू की इच्छा पूरी की है। ऐसे ही कल्पना ने सासू माँ मीरा प्रजापति के साथ मतदान किया। मीरा ने कहा कि - बहू की वजह से वे भी मतदान करने पहुँचीं। दतिया में सभी मतदान केन्द्र पर पालना घर की व्यवस्था की गई।

मोदी का कांग्रेस पर निशाना

कांग्रेसी कितने भी हवन करें, भगवा में आतंकवाद के दाग लगाने के पाप से नहीं बच पाएंगे : मोदी

लखनऊ/भोपाल (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की रैलियों में कांग्रेस और सपा-बसपा गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने खंडवा में कहा कि कांग्रेस नेता कितने भी हवन करें और जनेऊ दिखाएं। यहां तक की पुलिस को भी भगवा ड्रेस सिलवा दें, लेकिन भगवा में जो आतंकवाद का दाग लगाने की उन्होंने साजिश की थी। उस पाप से कांग्रेस और महामिलावटी कभी नहीं बच पाएंगे। मोदी ने कहा कि मायावती को बेटियों की इतनी ही चिंता है तो वे अलवर कांड के बाद राजस्थान सरकार से समर्थन वापस लें मोदी ने कहा, पहले पाकिस्तान में पलने वाले आतंकी हमला करते थे तो निर्दोषों को जेल में ठूंस दिया जाता था। उन्होंने हिंदू आतंकवाद का दाग लगाकर महान परंपरा का अपमान किया। वोट बैंक की राजनीति के लिए गंभीर साजिश रची गई, लेकिन अब जवाब मिल रहा है। कांग्रेस ने खंडवा के सपूत किशोर कुमार के गानों पर आपातकाल के दौरान रोक लगाई थी। आज आप उनसे इस बारे में पूछेंगे तो कहेंगे कि हुआ तो हुआ। गैस कांड के आरोपी को सरकारी विमान से भगाने पर इस पर भी यहीं कहेंगे। उन्होंने 1984 के दंगों के गुनहगार को पंजाब का प्रभारी बनाया, लेकिन लोगों ने विरोध किया तो अब मध्यप्रदेश का मुख्यमंत्री बना दिया। कुशीनगर में कहा कि 5 चरण के मतदान में विरोधी चारों खाने चित हो गए, इसलिए बौखलाए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि चौकीदार पर लोगों का इतना प्यार क्यों उमड़ रहा है। कुछ लोगों को आपत्ति है कि आज चुनाव के वक्त ही कश्मीर में आतंकियों को क्यों मारा? अगर आतंकी बंदूक लेकर सामने खड़ा हो तो क्या हमारे जवान चुनाव आयोग से इजाजत लेंगे? आतंक के खिलाफ जो लड़ाई हम लड़ रहे हैं उसके लिए देश कमल और मोदी को वोट दे रहा है। हम जब से कश्मीर में आए, हर तीसरे दिन सफाई होती है। मोदी ने कहा, सपा, बसपा और कांग्रेस की महामिलावट कैसे काम करती है। इसका उदाहरण राजस्थान है। एक दलित बेटी के साथ अलवर में सामूहिक दुष्कर्म हुआ। वहां कांग्रेस की सरकार बसपा के समर्थन से चल रही है। कांग्रेस और बसपा दलित बेटी के साथ हुए अपराध को दबाने में जुटी हुई हैं। न्याय, न्याय रटने वाले नामदार के मुंह पर

बलात्कारियों ने ताला लगा दिया। बहनजी (मायावती) आपके साथ गेस्ट हाउस में जो हुआ था, उससे सारे देश की बहनों और बेटियों को पीड़ा हुई थी।

आज बेटियां बहनजी से पूछ रही हैं कि अगर आप बेटियों की सुरक्षा के प्रति इतनी ही ईमानदार हैं तो राजस्थान में सरकार से समर्थन वापस लीजिए।

पीएम मोदी का मायावती पर वार, कहा- कांग्रेस से समर्थन वापिस लें

कुशीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में बलात्कार की एक घटना के बाद कांग्रेस सरकार को समर्थन जारी रखने पर बहुजन समाज पार्टी की कड़ी आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि वह बेटियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है। मोदी ने भारतीय जनता पार्टी की ओर से यहां आयोजित विजय संकल्प सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजस्थान के अलवर में बलात्कार की घटना के बाद बसपा प्रमुख मायावती को कांग्रेस सरकार से समर्थन वापस ले लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश की बेटियां बहनजी से पूछ रही हैं कि बलात्कार का बचाव करने वाली पार्टी से समर्थन वापस क्यों नहीं लिया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बहुमत की नहीं है और वह बसपा के सहयोग से चल रही है। बसपा को राजस्थान के राज्यपाल को सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए पत्र लिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने बालात्कार के दोषियों के लिए फांसी तक की सजा का प्रावधान किया है लेकिन राजस्थान सरकार अलवर में एक दलित की बेटी के साथ हुयी इस घटना को छिपाने का प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्याय के नाम पर चिखने वाले लोगों ने बलात्कार की इस घटना के बाद मुंह पर ताला लगा रखा है। कांग्रेस की नियत पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस की महामिलावटी पार्टी कैसे काम करती है इसका उदाहरण अलवर की घटना है। मोदी ने कहा कि वह लम्बे समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री और पांच साल तक प्रधानमंत्री रहे हैं लेकिन उन्होंने या उनके परिवार ने सत्ता दुरुपयोग नहीं किया है। गरीबी का दर्द सहने के बाद उन्हें देश की सेवा करने का मौका मिला है।

भाजपा के अलावा किसी भी पार्टी का साथ देने के लिए तैयार: केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि चुनावों के बाद वह भाजपा के अलावा किसी भी ऐसी पार्टी का समर्थन करने के लिए तैयार होंगे जो राष्ट्रीय राजधानी को पूर्ण राज्य के दर्जे का समर्थन करेगी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि उनका एकमात्र उद्देश्य मोदी-शाह को सत्ता में वापस आने से रोकना है और इसके लिए वे किसी भी पार्टी का समर्थन करेंगे। केजरीवाल ने कहा, 'हम दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा देने वालों का समर्थन करेंगे। हमारा एकमात्र उद्देश्य मोदी-शाह की जोड़ी को सत्ता में वापसी करने से रोकना है। केंद्र में जो भी आता है, हमें उससे कोई समस्या नहीं है।उन्होंने दावा किया कि लोग दिल्ली विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी, बिजली और सड़क के क्षेत्रों में आप के कामों से 'बहुत खुशहै। केजरीवाल ने कहा, 'लेकिन दिल्ली के लोग यह भी देख रहे हैं कि दिल्ली सरकार के काम में कितनी बाधाएं पैदा हो रही हैं क्योंकि यह पूर्ण राज्य नहीं है। इस बार लोग दिल्ली की राह से उन बाधाओं को दूर करने के लिए मतदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक बार पूर्ण राज्य की मांग पूरी होने पर राष्ट्रीय राजधानी के विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के सांसद दिल्ली के लोगों के प्रति 'निष्ठावान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, 'दिल्ली के लोगों को सोचना चाहिए कि यदि भाजपा के सभी सातों

उम्मीदवार जीत गए तो वे राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के प्रति निष्ठावान नहीं रहेंगे। यदि कल, मेट्रो किराया बढ़ जाता है तो आपके भाजपा सांसद अपनी आवाज नहीं उठा सकते, वे सीलिंग के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकते। आप दिल्ली की पार्टी है इसलिए अगर दिल्ली के लोगों के साथ कुछ होता है तो आप संसद में लोगों के अधिकारों के लिए आवाज़ उठाएगी। केजरीवाल ने कहा कि केन्द्र की 'गलत नीतियों के खिलाफ आवाज केवल तभी उठाई जा सकती है जब दिल्ली के सांसद केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी से न होकर अलग पार्टी से होंगे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि दिल्ली में भाजपा के खिलाफ 'बहुत जबरदस्त सत्ता विरोधी लहर है क्योंकि उसके सांसदों ने यहां के लोगों के लिए कुछ भी नहीं किया। भाजपा ने 2014 के आम चुनावों में दिल्ली की सभी लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की थी। केजरीवाल ने लोगों से 'भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा पैदा किए गए व्यवधानों को समाप्त करने के लिए आप को वोट देने की अपील की।

केजरीवाल ने लोगों से 'भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार द्वारा पैदा किए गए व्यवधानों को समाप्त करने के लिए आप को वोट देने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनावों में किए किसी भी वादे को पूरा नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया,'मोदीजी यह नहीं कह सकते कि मैंने स्कूल, अस्पताल बनवाएं, बिजली की दरें कम कीं, पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की। वह हर क्षेत्र में असफल रहे है।

बीच सड़क पर सपा उम्मीदवार से भिड़ी मेनका गांधी

सुल्तानपुर। केंद्रीय मंत्री व भाजपा प्रत्याशी मेनका गांधी ने रविवार को सपा-बसपा गठबंधन के उम्मीदवार चन्द्रभद्र सिंह उर्फ सोनू सिंह पर मतदाताओं को धमकाने का आरोप लगाया है। इस दौरान सुल्तानपुर में बीच सड़क पर दोनों प्रत्याशियों के बीच तीखी बहस भी हो गई। सुल्तानपुर के एक बूथ पर गठबंधन उम्मीदवार सोनू सिंह और केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के बीच बहस हो गई। बूथ पर पहुंची मेनका ने सोनू सिंह से कहा कि यहां दबंगई नहीं चलेगी। इसके बाद वहां मौजूद सोनू सिंह ने अपने समर्थकों को पीछे जाने को कहा। मेनका गांधी मतदान के दौरान आज पोलिंग बूथ पर जाकर जायजा ले रही हैं, इस दौरान रास्ते में उनकी गठबंधन प्रत्याशी से बहस भी हुई। मेनका और सोनू सिंह की गाड़ी जब आमने-सामने आई, तो दोनों प्रत्याशियों के बीच जमकर तू-तू-मैं-मैं हुई। मेनका गांधी ने आरोप लगाया कि सोनू सिंह के समर्थक वोटरों को डरा धमकाकर अपने पक्ष में वोट करवा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सोनू सिंह के साथी कई बूथों पर खड़े हैं और मतदाताओं पर दबाव बना रहे हैं। गठबंधन के उम्मीदवार सोनू सिंह ने आरोप को नकारते हुए कहा, हमारा कोई समर्थक किसी को नहीं डरा रहा है, अगर समर्थक की बात करेंगे तो पूरा गांव ही हमारा समर्थक है। उन्होंने कहा कि इस गांव में उनका कोई वोटर ही नहीं है, ऐसे में वह कैसे ये आरोप लगा सकती हैं। उधर भाजपा विधायक सूर्यभान सिंह ने भी सुरक्षा-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि बाहुबली चंद्रभद्र को देखते हुए सुरक्षा के इंतजाम नाकाफी हैं। सुरक्षा व्यवस्था और बढ़ाई जानी चाहिए। गौरतलब है कि मतदान से पहले ही सुल्तानपुर में आधी रात यहां मेनका गांधी के समर्थकों के साथ मारपीट की खबर है।

मध्यप्रदेश में सभी स्थानों पर मतदान शांतिपूर्ण : कांताराव

भोपाल (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी वी एल कांताराव ने बताया कि प्रदेश की सभी आठ संसदीय क्षेत्रों पर आज हो रहे मतदान के तहत कुछ छिटपुट शिकायतों को छोड़ कर सभी स्थानों पर मतदान शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा है। कांताराव ने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान बताया कि मतदान के दौरान करीब 78 हजार मशीनों में से 750 को बदला गया। उन्होंने बताया कि मुरैना, भिंड और राजगढ संसदीय क्षेत्रों के कुछ स्थानों पर ग्रामीणों ने मतदान के बहिष्कार का ऐलान किया था, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी स्थानों पर ग्रामीणों को समझाइश देने के बाद मतदान शुरु कराया। उन्होंने बताया कि दोपहर तीन बजे तक प्रदेश में कुल 52.62 फीसदी मतदान हुआ। इसमें पुरुष मतदाता 56.19 और महिला मतदाताओं का प्रतिशत 48.56 रहा। उन्होंने यह भी कहा कि शाम छह बजे के बाद भी जो मतदाता कतार में रहेंगे, उन्हें मतदान करने दिया जाएगा। कांताराव ने बताया कि भोपाल शहर, भिंड और मुरैना के कई क्षेत्रों से धीमा मतदान, भीड़ इकट्ठा होने, मशीन जल्दी बदलने की और कुछ केंद्रों पर बाहर के लोगों के मतदान केंद्र में घुसने की शिकायतें प्राप्त हुईं थीं। सभी शिकायतों पर टीम ने पहुंच कर निराकरण किया। कहीं कोई विवाद की स्थिति नहीं बनने दी गई। उन्होंने भिंड संसदीय क्षेत्र में किसी भी दल के प्रत्याशी को नजरबंद करने से भी इंकार किया। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर मारपीट जैसा कोई विवाद नहीं हुआ है।

जेल जाने के डर से चुनाव में एक हुए 'भ्रष्टाचारी':योगी

वाराणसी (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए तीन दिनों में दूसरी बार वाराणसी में वोट मांगने आये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर जमकर हमले किये। उन्होंने विपक्ष की ओर इशारा करते हुए कहा कि 'भ्रष्टाचारी' जेल जाने के डर से एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरे हैं, लेकिन जनता तय कर चुकी है कि उन्हें ईमानदार प्रधानमंत्री चाहिए। श्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोहनिया विधान सभा के काशीपुर में शनिवार रात एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) एवं समाजवादी पार्टी (सपा) गठबंधन और कांग्रेस का एक ही एजेंडा है कि कैसे श्री मोदी को हराया जाये। पर सच्चाई यह है कि जनता उन्हें श्री मोदी को बतौर गुजरात मुख्यमंत्री करीब 15 साल और प्रधानमंत्री के तौर पर पांच वर्षों से देख रही है। अपने कार्यकाल में उन्होंने किस तरह से भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हुए 'सब का साथ, सबका विकास' की नीति पर देश को आगे बढ़ाया। पांच वर्षों में देश की जनता उनसे बेहद खुश है और वह 'एक बार फिर मोदी' के नारे लगा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक के चुनाव रुझानों से उन्हें पता चला है कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एवं उसके सहयोगी दल 2014 से भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे और श्री मोदी के नेतृत्व में एक बार फिर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की मजबूत सरकार बनेगी। श्री योगी ने कहा कि विपक्षी दलों के नेताओं को डर है कि कहीं फिर श्री मोदी की सरकार बन गई तो भ्रष्टाचारियों को

जेल जाना पड़ेगा। इसी वजह से वे घबराये हुए हैं और प्रधानमंत्री पर अमर्यादि टिप्पणियां करने से भी बाज नहीं आ रहे। उन्होंने कांगेस घोषणा पत्र के 'न्याय' के नारों की ओर इशारा करते हुए ।

बादल रडार से बचा सकते हैं मोदी के एयर स्ट्राइक पर बयान की विपक्ष ने की निंदा, ईसी से शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बालाकोट एयर स्ट्राइक के बारे में ताजा बयान से विवाद खड़ा हो गया है और विपक्षी राजनीतिक दलों ने इसकी निंदा की है तथा मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) महासचिव सीताराम येचुरी ने इसे आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन करार देते हुए चुनाव आयोग से इसकी शिकायत की है। गौरतलब है कि मोदी ने शनिवार को एक टेलीविजन चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा था कि बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की रात को मौसम अचानक खराब हो गया था विशेषज्ञों ने एयर स्ट्राइक को टालने की सलाह दी थी लेकिन उन्होंने (प्रधानमंत्री) वायु सेना को एयर स्ट्राइक की मंजूरी देते हुए कहा कि हमें बादलों और बारिश का फायदा उठाकर रडार से बचते हुए कार्रवाई करनी चाहिए। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मोदी पांच साल तक जुमले ही फेंकते रहे हैं। पार्टी ने ट्वीट किया कि जुमला ही फेंकता रहा पांच साल की सरकार में, सोचा था कि 'क्लाउडी है मौसम , नहीं आऊंगा रडार में। येचुरी ने मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा को लिखे पत्र में शिकायत की है कि मोदी ने बालाकोट हवाई हमले के बारे में जो दावे किए हैं उससे एक बार फिर आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन हुआ है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि मोदी ने एक टीवी चैनल को दिए इन्टरव्यू में हवाई कार्रवाई का ब्योरा देकर मतदाताओं को प्रचार प्रतिबंधित समय के दौरान प्रभावित करने की कोशिश की है। उनका यह बयान और व्यवहार चुनाव आयोग के निर्देशों का सरासर और जानबूझकर किया गया उल्लंघन है। माकपा नेता ने कहा कि मोदी ने चुनाव आयोग के सभी नियमों, दिशा निर्देशों और आचार संहिताओं का उल्लंघन कर आयोग का मजाक उड़ाया है तथा लोकतंत्र को नुकसान पहुंचाया है जिसका संरक्षक चुनाव आयोग है। इसलिए चुनाव आयोग को अपनी विश्वसनीयता , सम्मान और प्रतिष्ठा बचाये रखने के लिए मोदी के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी ने आयोग को मोदी और अमित शाह द्वारा पहले भी आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की है लेकिन इन दोनों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे पहले येचुरी ने ट्वीट करके भी मोदी के इस बयान की आलोचना की थी। उन्होंने ट्वीट किया था कि मोदी के शब्द शर्मनाक और गैर जिम्मेदाराना हैं। उनके शब्दों से वायु सेना का अपमान भी हुआ है क्योंकि इनमें वायु सेना को अज्ञानी तथा गैरेपेशेवर बताया गया है। उनका इस तरह का बयान अपने आप में देशद्रोही है। कोई देशभक्त ऐसा बयान नहीं देगा। नेशनल कांफ्रेन्स के नेता उमर अब्दुल्ला ने भी व्यंग्य करते हुए कहा है कि मोदी की यह सलाह भविष्य के हमलों में काम आएगी। उन्होंने ट्वीट किया है कि पाकिस्तानी रडार बादलों को भेदने में सक्षम नहीं हैं। यह रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारी है जो भविष्य में हवाई हमलों की योजना बनाते समय काम आएगी। उल्लेखनीय है कि गत 14 फरवरी को पुलवामा में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले पर आतंकवादी हमले के बाद भारतीय वायु सेना ने गत 26 फरवरी को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के निकट बालाकोट में आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के शिविर पर कार्रवाई कर उसे ध्वस्त कर दिया था।

संपादकीय

योजना में चुनौतियां

इस पर आश्चर्य नहीं कि एक अमेरिकी थिंक टैंक ने भी मोदी सरकार की आयुष्मान भारत योजना को तारीफ के काबिल पाया। इसके पहले अन्य देशी-विदेशी संस्थाएं भी इस योजना को बेहतर बता चुकी हैं। चूंकि निर्धन वर्ग के परिवारों को पांच लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा देने वाली यह योजना गरीबों के लिए राहतकारी साबित हो रही है इसलिए उसका बखान कर चुनावी लाभ लेने की भी कोशिश हो रही है। इसमें हर्ज नहीं। सरकारों का यह अधिकार है कि वे अपनी सफल योजनाओं का गुणगान करते हुए राजनीतिक लाभ अर्जित करने की कोशिश करें। इस योजना की लोकप्रियता इससे साबित होती है कि बहुत कम समय में लाखों लोग इसका लाभ उठा चुके हैं। इस योजना के सकारात्मक असर से इन्कार नहीं, लेकिन इस पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि क्या फिलहाल कारगर साबित होती दिख रही यह योजना देश में आवश्यक स्वास्थ्य ढांचे का निर्माण करने में सफल हो रही है? नि-संदेह यह इस योजना का मूल उद्देश्य नहीं है। मूल उद्देश्य गरीबों को मुफ्त इलाज उपलब्ध कराना है, लेकिन केवल इतने से बात बनने वाली नहीं है। किसी को यह देखना चाहिए कि जरूरी स्वास्थ्य ढांचे का भी निर्माण हो। यह सुनिश्चित करते समय इस पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है कि निजी क्षेत्र के साथ सरकारी स्वास्थ्य ढांचे का निर्माण और विस्तार होना बहुत आवश्यक है। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इतने बड़े देश में सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाए बिना अभीष्ट की प्राप्ति नहीं की जा सकती। यह सही है कि फिलहाल गरीबों को मुफ्त उपचार की सुविधा मिल रही है, लेकिन अगर स्वास्थ्य ढांचे को विस्तार नहीं दिया जा सका तो गरीबी रेखा से इतर लोगों के लिए उपचार महंगा हो सकता है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य पर खर्च किए जाने वाले धन का अधिकांश हिस्सा इस योजना में ही खप जाने का भी अंदेशा है। यह अंदेशा इसलिए और है, क्योंकि अभी कुल जीडीपी का बहुत कम प्रतिशत स्वास्थ्य पर खर्च होता है। इस खर्च को बढ़ाए जाने और उसका एक हिस्सा सरकारी स्वास्थ्य ढांचे को विकसित करने में किया जाना चाहिए। यह काम प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए, क्योंकि भारत की छवि एक ऐसे देश की है जो तमाम रोगों का घर बना हुआ है। इसका प्रमुख कारण यह है कि एक ओर जहां गरीब तबका कुपोषण से ग्रस्त है वहीं मध्य और धनी वर्ग रहन-सहन की उन आदतों से ग्रस्त है जो बीमारियों का कारण बनती हैं। स्पष्ट है कि किसी को इसकी भी चिंता करनी चाहिए कि औसत भारतीय अपने खान-पान, रहन-सहन को लेकर सतर्क रहें। मोदी सरकार को केवल इससे खुश नहीं होना चाहिए कि अमेरिकी थिंक टैंक ने आयुष्मान योजना की तारीफ कर दी, क्योंकि उसने इस योजना की कुछ चुनौतियां भी रेखांकित की हैं। यह सही है कि हर नई योजना में प्रारंभ में कुछ समस्याएं आती हैं, लेकिन जब यह कहा जा रहा है कि लागत को कम करने और गुणवत्ता में सुधार करने के लिए अभी काफी कुछ करना बाकी है तो फिर उस पर ध्यान देना वक्त की मांग है।

ट्वीट

सरकार

यूपीए सरकार बनने की हालत में सैम पित्रोदा राहुल गांधी के मनमोहन सिंह बन सकते थे लेकिन हिन्दी-अंग्रेजी के चक्कर में उन्होंने अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली-हुआ सो हुआ!

प्रभात रंजन, लेखक

नदारद मुद्दे, निराश मतदाता

शशि शेखर

भारतीय राजनीति का तिलिस्म अब अपने द्वारा गढ़े गए घटाटोप का शिकार होता जा रहा है। इतिहास की अंधेरी खोह में सड़ते-बजबजाते अर्द्धसत्य अथवा असत्य जब सच की चासनी चुपड़कर परोसे जाएंगे, तो ऐसा ही होगा। नेता सोचते हैं कि नकारात्मक तर्क उनके प्रति सकारात्मक माहौल बनाते हैं, पर वे गलत हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि पश्चिम के तमाम समाजशास्त्री इस बदलते वक्त को 'पोस्ट ट्रूथ एरा' पुकारते हैं। यही वजह है कि भारत सहित विश्व के तमाम तरक्कीपसंद देशों में मतदान प्रतिशत में उतनी बढ़ोतरी नहीं हो रही, जितनी की उम्मीद की जाती है। भारत का चुनाव आयोग अन्य मामलों में भले ही कुछ लोगों को असंतुष्ट करता आया हो, पर उसके आलोचक भी इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते कि मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए उसने जी तोड़ कोशिश की। तरह-तरह के आकर्षक अथवा लोकप्रिय चेहरे लगातार जोशीले नारे लगाते रहे, पर नतीजा? 2014 में 66.44 फीसदी मतदान के मुकाबले अभी तक औसत मतदान में खास बढ़ोतरी नहीं देखी गई है। पुरजवान 21वीं शताब्दी के भारत से इससे कहीं ज्यादा की उम्मीद थी। इससे 'हाई' जोश तो आजाद भारत के पहले आम चुनाव में देखा गया था। 1951-52 में 61.16 फीसदी लोगों ने मतदान का प्रयोग किया था। तब रैलियों और सीमित प्रसार संख्या के अखबारों के अलावा प्रचार के लिए गांव-गांव मुनादी का इंतेमाल किया जाता था। यातायात के साधन नहीं थे और मतदाताओं को मीलों पैदल चलकर अपने अधिकार का उपयोग करना पड़ता था। क्या तब के वोटर को अपना जोश 'हाई' करने के लिए उरी जैसी किसी फिल्म की जरूरत नहीं महसूस होती थी? कुदरती उत्साह और प्रायोजित तरंग में अंतर तो होगा ही। जाहिर है, शोर-शराबे में डूबता-उतराता हमारा लोकतंत्र सही और सार्थक रास्ते पर नहीं चल रहा। इसका सबसे बड़ा उदाहरण दक्षिण मुंबई है। वैभव, विलासिता और अपने 'अप-मार्केट ऐटीट्यूड' के लिए पहचाने जाने वाले इस इलाके में महज 52.15 फीसदी मतदान हुआ। यहां इस सदी में जन्मे वे लोग भी खासी तादाद में हैं, जिन्हें 'मिलेनियल' कहा जाता है, जिन्हें पहली बार मतदान का हक-हुकूक हासिल हुआ था, पर उन्होंने उत्साह नहीं दिखाया। हमारे राजनेता सोचते क्यों नहीं कि उनके भाषण नई उम्र की नई फसल के लिए आकर्षण विहीन साबित हो रहे हैं। सिर्फ 'मिलेनियल' क्यों? मौजूदा राजनीतिक रुख-रवैये के प्रति सभी संवेदनशील वर्गों की असहजता बढ़ती जा रही है। यह ठीक है कि हमारे लोग धर्म, जाति, क्षेत्र और भाषा के आधार पर बंटे हुए दिखाई पड़ते हैं, मगर यह भी सच है कि जब भी किसी राजनेता अथवा सामाजिक अग्रदूत में हिन्दुस्तानियों को उम्मीद की किरण नजर आती है, तो वे उसकी ओर खिंचे चले आते हैं। बहुत दूर क्यों जाएं, सन 2011 में अन्ना हजारे ने जब दिल्ली में अनशन शुरू किया था, तो सिर्फ देश की तरुणाई नहीं, बल्कि हर उम्र और हर वर्ग के लोग उमड़ पड़े थे। जो दिल्ली पहुंच सकते थे, वे यहां आ जुटे थे। जो नहीं आ सके, उन्होंने अपने-अपने शहरों में प्रतीकात्मक उपवास, धरने और प्रदर्शन आयोजित किए। 2014 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी उसी परिवर्तन कामना पर सवार होकर अहमदाबाद से निकले थे। यही नहीं, दूसरी धारा के अरविंद केजरीवाल भी ऐसे ही ज्वार पर सवार थे। दोनों ही अलग-अलग सता सदनों में दाखिल हुए और अब न केवल ये दोनों, बल्कि सभी दल और शख्सियतें हमारे समक्ष हैं। 2019 के आम चुनाव के परिणाम जो भी आएं, पर जन-भागीदारी के हिसाब से इसे बहुत अच्छा नहीं माना जाएगा। अनंत कोलाहल में गोते लगाता आम आदमी अगर बेरुखी नहीं दिखा रहा है, तो उसमें कोई खास उत्साह भी नहीं दीख रहा। आप याद करें, जम्मू-कश्मीर से एक वीडियो वायरल हुआ था। पहले चरण के मतदान के दौरान एक शख्स मतदान केंद्र पर डांस कर रहा था। अति उम्मीदवानों ने इसे लोकतंत्र के उत्साह, उछाह और न जाने किन-किन विशेषणों से नवाज दिया था, पर अगले चरण से ही घाटी में मतदान फीका पड़ता गया। वहां अब तक 2.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हो चुकी है। क्या यह वर्तमान परिस्थितियों के प्रति निराशा का प्रतीक नहीं है? घाटी को छोड़ भी दें, तब भी तय है कि मतदाता पिछले चुनाव की तरह मुखर नहीं है। क्या इसका एक बड़ा कारण यह नहीं है कि पिछले तीन सालों के दौरान हमने जिन मुद्दों पर बड़े आंदोलन देखे थे, वे इस बार नेताओं के धुआंधार भाषणों से पूरी तरह गायब हैं? सवाल उठता है कि नरमुंडों की माला पहने हुए वे किसान कहां चले गए, जो जंतर-मंतर पर लंबे समय तक विलाप करते हुए दिखाई पड़ते थे? उन्होंने कभी घास खाकर, तो कभी स्वमूत्र पीकर अंतरराष्ट्रीय सुर्खियां लूट ली थीं। बेरोजगारी के ऊपर भाषण देकर चमके हार्दिक पटेल, जिग्नेश मेवाणी जैसे नेता चर्चा से गायब क्यों हैं? छीजती हुई नदियों के किनारे गड्ढे खोदकर पानी जमा करती महिलाओं के फोटो भी नदारद हैं। वे अवकाश प्राप्त सैनिक और उनके अफसरान किधर बिला गए, जो जंतर-मंतर पर अपने सीने पर शौर्य के प्रतीक टांककर पुलिस द्वारा धकियाए गए थे? सामाजिक आंदोलनों की नियति यही है। राज्य के पोषण के बिना वे लंबे समय तक खुद को नहीं खींच पाते। यही बात राज्य की, तो उसे राजनीति हांकती है। यही वजह है कि मौजूदा चुनाव कोलाहल तो रच रहा है, पर मुद्दों के सार्थक और सटीक हल के वांछित विकल्प नहीं सुझा रहा। किसी भी लोकतंत्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं है।

ज्ञान गंगा

एकांत का आनंद

ओशो/ एकांत में होना और मौन एक ही अनुभव के दो आयाम हैं। एक ही सिक्के के दो पहलू। यदि कोई व्यक्ति मौन को अनुभव करना चाहता है तो इसके लिए उसे अपने एकांत में जाना होगा। एकांत अकेलापन नहीं है। अकेलापन उदासी होती है। एकांत में व्यक्ति अपने को पाना चाहता है। वह अपने से भागा हुआ नहीं होता। एकांत अपने साथ होने का नाम है। इसी एकांत में वह एक है। वह वहां है। हम अकेले पैदा होते हैं। हम अकेले मरते हैं। इन दो वास्तविकताओं के बीच हम साथ होने के हजारों भ्रम पैदा करते हैं। सभी तरह के रिश्ते, दोस्त और दुश्मन, प्रेम और नफरत, देश, वर्ग, धर्म। एक बंधन ही तो हैं। एक दिलचस्प मोहपाश। जबकि एक इस तथ्य हम अकेले हैं को टालने के लिए हम सभी तरह की कल्पनाएं पैदा करते हैं। लेकिन जो कुछ भी हम करते हैं। कर लें पर वास्तविकता नहीं बदल सकती। एक सत्य बदल नहीं सकता। वह ऐसा ही है, और उससे भागने की जगह, श्रेष्ठ ढंग यह है कि इसका आनंद लें।अपने एकांत का आनंद लेना ही ध्यान है। ध्यानी वह है जो अपने अकेले होने में गहरा उतरता है, यह जानते हुए कि हम अकेले पैदा होते हैं, हम अकेले मरेंगे, और गहरे में हम अकेले जी रहे हैं। तो क्यों नहीं इसे अनुभव करें कि यह एकांत है क्या? यह हमारा आत्यंतिक स्वभाव है, हमारा अपना होना। जब भी एकांत होता है, तो हम अकेलेपन को एकांत समझ लेते हैं। और तब हम तत्काल अपने अकेलेपन को भरने के लिए कोई उपाय कर लेते हैं। पिक्चर देखने चले जाते हैं। अकेलेपन से भाग कर रेडियो खोल लेते हैं। बेचैनी में अखबार पढ़ने लगते हैं। और जब बहुत कुछ नहीं सूझता, तो सो जाते हैं। नींद में सपने देखने लगते हैं। मगर अपने अकेलेपन को जल्दी से भर लेते हैं। ध्यान रहे, अकेलापन सदा उदासी लाता है, एकांत आनंद लाता है। मोद लाता है। ये उनके लक्षण हैं। अगर आप घड़ीभर एकांत में रह जाएं, तो आपका रोआं-रोआं आनंद की पुलक से भर जाएगा। और आप घड़ी भर अकेलेपन में रह जाएं, तो आपका रोआं-रोआं थका और उदास, और कुम्हलाए हुए पत्तों की तरह आप झुक जाएंगे। अकेलेपन में उदासी पकड़ती है, क्योंकि अकेलेपन में दूसरों की याद आती है। और एकांत में आनंद आ जाता है, क्योंकि एकांत में प्रभु से मिलन होता है। वही आनंद है, और कोई आनंद नहीं है। अब यह मत कहना कि प्रभु हैं ही नहीं। इस बहस में मत पड़ना। यह फरेब की तरफ ले जाएगा।

आज का राशिफल

मेष दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृषभ जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

मिथुन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

धनु व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

काबुल वाली हजार बच्चों की मां

लैला हैदरी अफगानी सामाजिक कार्यकर्ता

एक पाकिस्तानी पनाहगाह में 1978 में लैला हैदरी पैदा हुई थीं। लेकिन बाद में उनके परिवार ने वहां से भागकर ईरान में शरण ली। लैला का परिवार बेहद मजहबी था और ऊपर से शरणार्थी भी। तमाम पाबंदियों और बंदिशों के बीच पली-बढ़ी लैला की स्कूली तालीम ईरान में ही हुई। पर जब वह 12 साल की थीं, तभी परिवार ने उनसे 20 साल बड़े एक मौलवी के साथ उनकी शादी कर दी। उन दिनों को याद करते हुए लैला कहती हैं- '12 साल की उम्र से ही मैंने खुद को बॉबिसंर्ग रंग में महसूस किया। उस वक्त तो मुझे यह इलहाम भी न था कि बाल-विवाह एक अपराध है, हालांकि मुझे यह जरूर एहसास होता कि एक वयस्क मर्द हर रात मेरे साथ बलात्कार करता है और यह गलत है।' लैला हैदरी को बचपन से ही पढ़ाई-लिखाई में काफी मन लगता था, सो उन्होंने तालीम जारी रखने की चाह अपने पति से जताई। मौलवी पति ने उनको मजहबी तालीम हासिल करने की इजाजत दे दी। उन्होंने धार्मिक शिक्षा में स्नातक की डिग्री अर्जित की। लेकिन लैला के ख्वाब तो कुछ और थे। उन्होंने अपने मियां से छिप-छिपाकर अन्य विषयों की पढ़ाई भी जारी रखी और आखिरकार ईरान की ही एक यूनिवर्सिटी से उन्होंने फिल्म निर्माण में डिग्री हासिल की। मौलवी को लैला के दीनी तालीम से बाहर जाना नागवार गुजरा। मगर लैला अब तक एक खुदमुख्तार औरत बन चुकी थीं। उन्हें अपनी जिंदगी दूसरों की शर्तों पर गुजारना और गवारा न था। लिहाजा, उन्होंने पति से तलाक मांगा, लेकिन इस्लामी कानून के तहत पति ने बच्चों को अपने पास रखने का हक हासिल कर लिया। अपने स्कूली दिनों में शरणार्थी बच्चों की बेबसी जी चुकीं लैला ने 1999 में उन अफगानी बच्चों के लिए एक स्कूल खोला, जिन्हें ईरान के सरकारी स्कूलों में दाखिला नहीं दिया जाता था। बेहतर प्रबंधन और तालीम की बदौलत उनके स्कूल के बच्चों को ईरानी स्कूलों में दाखिला मिलने लगा, यहां तक कि यूनिवर्सिटी में भी उनके स्कूली बच्चों ने अवॉर्ड जीते।

साल 2002 में शरणार्थियों के खिलाफ ईरान में कई जगहों पर हिंसा की घटनाएं घटी थीं। ऐसी ही एक घटना इस्फहान शहर में घटी। बलवाई भीड़ ने वहां कई अफगान शरणार्थियों के घर जला दिए। इस वारदात से विचलित लैला हैदरी और दूसरे तमाम लोगों ने ईरान स्थित संयुक्त राष्ट्र के दफ्तर के आगे शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। नाराज ईरानी प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की और सबके साथ लैला हैदरी को भी सलाखों के पीछे भेज दिया गया। परदेश की काल कोठरी में लैला को अपना वतन शिद्दत से याद आया। कैदखाने से निकलने के बाद लैला हैदरी ने अपने पुरखों की धरती का रुख किया। पहली बार वतन पहुंची लैला को काबुल पहुंचकर सदमा लगा, उनका भाई हाकिम हेरोइन का लती बन चुका था और वह उन्हें शहर के एक पुल के नीचे पड़ा हुआ मिला। भाई की तलाश के सिलसिले में ही उन्होंने काबुल के इस 'पुल सोख्ता' की दर्दनाक तस्वीर देखी, जहां सैकड़ों की तादाद में ड्रग्स के लती पड़े रहते हैं, नशा करते हैं, और फिर वहीं दम तोड़ देते हैं। लैला ने अपने खुदा से वादा किया कि अगर वह अपने भाई को बचाने में कामयाब हो सकीं, तो नशाखोरी के शिकार लोगों के इलाज और पुनर्वास के लिए एक उपचार केंद्र खोलेंगी। उन्होंने वाकई एक केंद्र खोला, जिसका नाम खुद उसमें इलाज के लिए जुटे लोगों ने रखा- 'मदर्स कैंप'। इस अच्छी पहल को एक बेहतर मुकाम पर ले जाने के लिए उन्हें माली मदद की दरकार थी। अकरम गिजाबी नाम के पत्रकार ने इसमें उनकी

काफी मदद की और वह पुल सोख्ता से 28 लोगों को अपने केंद्र में इलाज के लिए लेकर आईं। अब तक मदर्स कैंप में रहकर अलग-अलग उम्र व नस्ल के 4,000 लोग नशा मुक्त हो चुके हैं। यहां से निकले लोग रेस्तरां में काम करने, पेंटिंग बनाने से लेकर मुल्क की फौज में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। लैला ने हाल ही में नशाखोरी की आदी औरतों के इलाज के लिए अलग से एक केंद्र शुरू किया है। अफगानिस्तान आने के बाद लैला का सामना हमवतन औरतों के हालात से हुआ। वे हक-हुकूक से वंचित तो थीं ही, तहजीब और रवायतों के नाम पर उनकी आजादी रौंदी जाती थी। लैला ने इस हालात पर अपनी पहली फिल्म इमैजिनेशन का निर्देशन किया। टोलो फिल्म फेस्टिवल में उन्हें इसके निर्देशन और अदाकारी के लिए अवॉर्ड मिला।

लैला हैदरी इन दिनों एक बात को लेकर चिंतित हैं कि अगर अमेरिका-तालिबान वार्ता कामयाब हुआ, तो अफगान औरतों ने जो खुले माहौल में सांस लेना अभी शुरू किया है, वह फिर से दुश्वार हो जाएगा। वह कहती हैं कि मुझे इस वार्ता से उम्मीद नहीं है। लैला के तीनों बच्चे अब 16 से 21 साल के हो गए हैं। वे ईरान से जर्मनी चले गए हैं। लैला उनसे नहीं मिल पाईं। सिर्फ वाट्सएप उन्हें मिलाता है, मगर काबुल में उन्हें हर कोई 'नाना' या 'मॉम' पुकारता है। यहां वह 'हजार बच्चों की मां' कही जाती हैं।

प्रस्तुति- चंद्रकांत सिंह

देश की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में 1.60 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश की 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ के बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह 1.60 लाख करोड़ रुपए की कमी आई है। इसमें सर्वाधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। शुक्रवार को समाप्त सप्ताह के दौरान दस कंपनियों में से एकमात्र लाभ में रहले वाली कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) रही जबकि नौ अन्य के बाजार पूंजीकरण (एम कैप) में गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 99,212.9 करोड़ रुपए लुढ़ककर 7,92,680.96 करोड़ रुपए रहा। इसके साथ आरआईएल देश की सर्वाधिक मूल्यवान कंपनी के रूप में टीसीएस से पीछे हो गई। एचडीएफसी बैंक का एमकैप 19,634 करोड़ रुपए घटकर 6,25,874.51 करोड़ रुपए पर आ गया जबकि एचडीएफसी की बाजार हैसियत 13,573.5 करोड़ रुपए घटकर 3,32,435.38 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 10,974.8 करोड़ रुपए घटकर 2,48,112.25 करोड़ रुपए तथा आईटीसी का एमकैप 7,232.6 करोड़ रुपए कम होकर 3,64,939.46 करोड़ रुपए रहे। कोटक महिंद्रा बैंक का एमकैप 4,409.41 करोड़ रुपए घटकर 2,66,292.11 करोड़ रुपए तथा इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,364.07 करोड़ रुपए कम होकर 3,12,837.34 करोड़ रुपए रहे।

एचयूएल की बाजार हैसियत 1,233.88 करोड़ रुपए घटकर 3,65,207.28 करोड़ रुपए तथा भारतीय स्टेट बैंक का एमकैप 981.71 करोड़ रुपए कम होकर 2,74,922.66 करोड़ रुपए पर आ गए। दूसरी तरफ टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 1,144.48 करोड़ रुपए बढ़कर 8,01,340.52 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

बिजली की औसत हाजिर कीमत मई में 3.50 रुपए प्रति यूनिट से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

बिजली संयंत्रों के लिए कोयले की पर्याप्त उपलब्धता तथा स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से विस्तृत आपूर्ति के कारण मई महीने में बिजली की औसत हाजिर कीमत 3.50 रुपए प्रति यूनिट के पार जाने की आशंका नहीं है। विशेषज्ञों ने यह कहा है। उद्योग के एक विशेषज्ञ ने कहा, ''1,78,000 मेगावाट की उच्च मांग के बाद भी मई के दौरान बिजली की औसत हाजिर कीमत 3.50 रुपए प्रति यूनिट से अधिक होने की आशंका नहीं है। इसका कारण मुख्यतः पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली जैसे स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से बेहतर आपूर्ति तथा बिजली उत्पादन के लिए संयंत्रों के पास कोयले की पर्याप्त उपलब्धता है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण देश के 127 तापीय बिजली संयंत्रों की निगरानी करता है। प्राधिकरण के अनुसार इनमें से से सिर्फ दो संयंत्रों के पास कोयला भंडार की स्थिति बेहद गंभीर और एक के पास गंभीर है। बेहद गंभीर स्थिति तब होती है जब उपलब्ध कोयला भंडार चार दिन के उत्पादन की आवश्यकता से कम हो। वहीं एक सप्ताह के उत्पादन के लिए आवश्यक कोयले से कम भंडार की स्थिति को गंभीर माना जाता है।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के निदेशक राजेश के. मेदीरत्ता ने कहा कि 10 मई 2019 तक बिजली की औसत हाजिर कीमत 3.30 रुपए प्रति यूनिट रही है जो मई 2018 के 4.67 रुपए प्रति यूनिट की तुलना में काफी कम है। उन्होंने कहा कि इस महीने 1,78,000 मेगावाट की उच्च मांग गर्मी के मौसम के कारण रही है। इससे पहले 1,78,000 मेगावाट की उच्च मांग सितंबर 2018 में दर्ज की गई थी।

बढ़े सीमैंट के दाम, महंगा हो जाएगा मकान बनाना

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

बाजार में सीमैंट की कमी से पिछले 2-3 महीने में सीमैंट के दाम 100 रुपए प्रति बोरी तक बढ़ गए हैं। परेशान बिल्डरों का कहना है कि मई-जून के निर्माण कार्य के अनुकूल समय में सीमैंट न मिलने और इसकी कीमत बढने से घरों की कीमत भी बढ़ सकती है यानी मकान बनाना महंगा हो जाएगा। दरअसल फरवरी तक सीमैंट की जो बोरी 260-270 रुपए में थी वह अप्रैल में 360 के पार हो गई है। इसका सबसे ज्यादा खमियाजा बिल्डरों को उठाना पड़ रहा है। रियल एस्टेट कम्पनी ए.टी.एस. के चेयरमैन गीतांबर आनंद ने कहा कि अप्रैल से जून के निर्माण कार्य के मुफीद समय में सीमैंट न मिलने से लागत बढ़ेगी, जिसका असर मकानों की कीमत पर भी पड़ सकता है। नैरेडको के उपाध्यक्ष प्रवीन जैन ने बताया कि सीमैंट डीलर्स स्टॉक न होने का हवाला देते हुए सौदे रद्द कर चैक लौटा रहे हैं। क्रे डाई वैस्टर्न यू.पी. के निदेशक अमित मोदी ने कहा कि सीमैंट की कीमतों में अनियमित वृद्धि सीधे निर्माण लागत को प्रभावित करती है, जिससे ग्राहकों पर भी बोझ पड़ता है। बेंगलूर, हैदराबाद चेन्नाई जैसे दक्षिण भारतीय शहरों में सीमैंट के दाम 4 महीने में 100 रुपए तक बढ़ गए हैं। अगर सीमैंट डीलरों की मानें तो कुछ दिन में दाम में 25-30 रुपए और इजाफा हो सकता है। यही रफ्तार मई के अंत तक भी रही तो बाजार में सीमैंट के दाम 400 रुपए बोरी तक पहुंच सकते हैं। यू.पी., झारखंड और बिहार में सीमैंट की कीमत में 70-75 रुपए तक की बढ़ौतरी हुई है। उत्तर प्रदेश में मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बुलंदशहर, मुरादाबाद, बागपत में भी यही हालात हैं, जिससे ईंटों के भाव बढ़े हैं।

जुकरबर्ग ने फेसबुक को बंद करने की मांग खारिज की

लंदन (एजेंसी) ।

फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने अपनी कंपनी को बंद करने की मांग यह कहते हुए खारिज कर दी कि फेसबुक का आकार वास्तव में अपने यूजर्स और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा के लिए फायदेमंद है। फांसीसी प्रसारणकर्ता फांस 2 को दिए साक्षात्कार में जुकरबर्ग ने अपने पुराने दोस्त और फेसबुक के सह-संस्थापक क्रिस ह्यूज्स के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अब फेसबुक को बंद करने का समय आ गया है,

क्योंकि जुकरबर्ग अनियंत्रित शक्ति और प्रभाव को निजी क्षेत्र या सरकार में किसी और से कहीं अधिक ज्यादा दवाब में आ गए हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्र ों से मुलाकात करने फ्रांस दौरे के दौरान जुकरबर्ग ने कहा, मैंने जब उनका यह बयान पढ़ा, तो मेरी मुख्य प्रतिक्रिया ये थी कि वह जो प्रस्ताव दे रहा है, उससे हम उन मुद्दों को सुलझाने में कोई मदद नहीं करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ÷इसलिए मुझे लगता है कि अगर आप लोकतंत्र और चुनावों की चिंता करते हैं तो हमारी जैसी कंपनी को प्रतिवर्ष अरबों डॉलर का निवेश करने में सक्षम होना होगा, जैसे हम चुनावी दखल से निपटने के लिए आधुनिक औजार बनाने में प्रयासरत हैं। ह्यूज्स ने गुरुवार को द न्यूयार्क टाइम्स में एक लेख में लिखा था कि सरकार को मार्क को जवाबदेह ठहराना होगा। उन्होंने लिखा था, मार्क की व्यक्तिगत छवि और फेसबुक की छवि में गिरावट आई है। साल 2002 में हावर्ड यूनिवर्सिटी में शिक्षा पूरी करने के तुरंत बाद ह्यूज को जुकरबर्ग ने फेसबुक में काम दे दिया था।

सोना 310 रुपए चमका, चांदी 30 रुपए सस्ती

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर रही पीली धातु में रही तेजी के बीच घरेलू जेवराती ग्राहकी आने से बीते सप्ताह दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 310 रुपए की साप्ताहिक तेजी में 32,955 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस बीच औद्योगिक मांग कमजोर पड़ने से चांदी 30 रुपए उतरकर 38,170 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक अमेरिका और चीन के बीच बढ़े तनाव ने गत सप्ताह वैश्विक बाजार में पीली धातु की चमक बढा दी। लंदन एवं न्यूयॉक से मिली जानकारी के अनुसार, वहां सोना हाजिर गत सप्ताह 7.10 डॉलर की साप्ताहिक तेजी के साथ 1,285.75 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। जून का अमेरिकी सोना वायदा भी 5.40 डॉलर की तेजी में सप्ताहांत पर 1,286.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। सोने के विपरीत अंतररष्ट्रीय बाजार में चांदी 0.16 डॉलर उतरकर 14.74 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई।

जेपी इंफ्राटेक दिवाला: ऋणदाताओं ने एनबीसीसी से कुछ शर्तें हटाने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

जेपी इंफ्राटेक के ऋणदाताओं ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी से उसकी संशोधित बोली में रखी गई कुछ शर्तों को वापस लेने को कहा है। ऋणदाताओं ने कहा है कि एनबीसीसी को कर देनदारी से छूट देने जैसी शर्तों को वापस लेना चाहिए। इसकी वजह से उसकी संशोधित बोली शर्तों के साथ बिना बाध्यता वाली बन गई है। ऋणदाताओं की ओर से इस संबंध में शुक्रवार को एनबीसीसी को पत्र भेजा गया है। उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी को 13 मई तक जवाब देने को कहा गया है। ऋणदाताओं की समिति की बैठक 14 मई को बुलाई गई है। जेपी इंफ्राटेक के अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) अनुज जैन ने एनबीसीसी की बोली को लेकर यह चिंता उठाई थी। उन्होंने कहा कि यह बोली शर्तों के साथ मिली है जिसमें कोई बाध्यता नहीं जताई गई है। जैन ने ऋणदाताओं की समिति को पत्र लिखाकर बताया था कि एनबीसीसी की संशोधित बोली में कुछ शर्तें रखी गई है। इसमें कहा गया है कि जब तक उसे आयकर देनदारियों और किसी भी कारोबार के हस्तांतरण के लिए वाईईआईडीए की अनुमति लेने से छूट नहीं दी जाती है उसकी योजना बाध्यकारी नहीं होगी। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से मिली। दिवाला एवं ऋणशोधन प्रक्रिया के तहत जेपी इंफ्राटेक के अधिग्रहण के लिए मुंबई स्थित सुरक्षा रियल्टी समूह की बोली को तीन मई को खारिज करने के बाद ऋणदाताओं की समिति एनबीसीसी की बोली पर विचार कर रही है। इससे पहले ऋणदाताओं ने एनबीसीसी की बोली पर विचार नहीं किया था और उसे मंजूरी के लिए मतदान के लिए नहीं रखा था क्योंकि उसकी बोली में कई सरकारी विभागों से अनुमति नहीं ली गई थी। अब उसे सभी सरकारी विभागों ने योजना में रखे गए।

कंपनी उत्तर प्रदेश में करेगी 500 करोड़ निवेश, साथ ही चीनी मिल भी खोलेगी

लखनऊ (एजेंसी) ।

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार के निवेश प्रयासों को पंख देते हुए खाद्य उत्पादों के प्रमुख ब्राण्ड टॉप्स की निर्माता कम्पनी जीडी फूड्स मैन्युफैक्चर प्राइवेट लिमिटेड उत्तर प्रदेश में चालू वित्त वर्ष में चरणबद्ध तरीके से 500 करोड़ रूपये का निवेश करने जा रही है. कम्पनी के उपाध्यक्ष नितिन सेठ ने रविवार को कहा, कम्पनी चालू वित्त वर्ष में चरणबद्ध तरीके से 500 करोड़ रूपये का निवेश कर रही है. गन्ना समृद्ध मुजफ्फरनगर-सहारनपुर बेल्ट में 50 एकड़ में चीनी मिल स्थापित होगी. सेठ ने चीनी मिल के अगले साल शुरू होने की संभावना व्यक्त करते हुए कहा कि शुरूआती चरण में मिल की सालाना क्षमता 15 हजार टन होगी, जो क्रमशः बढ़ाई जाएगी. उन्होंने बताया कि विभिन्न खाद्य उत्पादों के उत्पादन के लिए कंपनी द्वारा स्वयं लगभग 10,000 टन चीनी का उपयोग किया जाएगा जबकि बाकी 5000 टन खुले बाजार में बिक्री के लिए उपलब्ध होगी. सेठ ने कहा कि एक बार संयंत्र स्थापित हो जाने के बाद यह उनके बड़े और विविध खाद्य व्यवसाय के लिए भारी बचत करेगा. सेठ ने कहा, .. लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह गन्ने की अतिरिक्त मांग पैदा करके लाभार्थी क्षेत्र में सैकड़ों रोजगार पैदा करेगा. उन्होंने बताया कि यह पूरी तरह से एकीकृत संयंत्र होगा, जिससे इसके सभी उप-उत्पाद जैसे गुड़ को मूल्य वर्द्धित उत्पाद या आंतरिक आवश्यकताओं के लिए उपयोग किया जाएगा. इस संयंत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन को समर्पित करते हुए सेठ कहते हैं कि यह किसानों को उनकी आय बढ़ाने में मदद करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में लाभकारी रोजगार का सृजन करेगा. उन्होंने बताया कि चीनी कारखाना स्थापित करने के अलावा हम किसानों को उनकी आय बढ़ाने के लिए उनके साथ ठेका खेती करने के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे. सेठ ने बताया कि वह पंजाब में बहुत सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं. कंपनी पंजाब में 6,000 एकड़ से अधिक भूभाग पर टमाटर, हरी मिर्च, नींबू, लाल मिर्च, सरसों और सेब की खेती कर रही है. टॉप्स के पास पंजाब के तरनतारन में टमाटर का पेस्ट संयंत्र भी है. उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह चुके हैं टॉप्स के पास पंजाब के तरनतारन में टमाटर का पेस्ट संयंत्र भी है. उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कह चुके हैं कि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति सुधरी है, जिसकी वजह से निवेशकों का विश्वास बढ़ा और प्रदेश में पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

चक्रवात फोनी- दक्षिण मध्य रेलवे को 2.98 करोड़ रुपए का नुकसान

हैदराबाद। पिछले सप्ताह ओडिशा, आंध्र प्रदेश और अन्य तटीय राज्यों को अपने चपेट में लेने वाले गंभीर चक्रवाती तूफान फोनी के कारण दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) को लगभग 2.98 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। एससीआर ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''दक्षिण मध्य रेलवे को गंभीर चक्रवाती तूफान फोनी के कारण 2,97,92,581 रुपए राजस्व का नुकसान हुआ है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस अवधि के दौरान कुल 137 ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने के लिए कई ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द करना पड़ा या उनके मार्ग में परिवर्तित करना पड़ा था। इसमें कहा गया है कि 120 ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द कर दिया गया और 40,390 यात्रियों को किराए का पूरा रिफंड वापस किया गया था, जो 2.93 करोड़ रुपए था। एससीआर फोनी का जोर कम होने के तत्काल बाद कार्रवाई में जुट गया था। उसने महत्वपूर्ण स्टेशनों पर फंसे यात्रियों की सुविधा के लिए तीन विशेष ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की। एससीआर ने चार और पांच मई को क्रमशः सिकंदराबाद-भुवनेश्वर, विजयवाड़ा-हावड़ा और सिकंदराबाद-हावड़ा के बीच तीन तीन विशेष ट्रेनें चलाईं। विज्ञप्ति में बताया गया है कि लगभग 3,043 फंसे हुए यात्री अपने गंतव्यों की यात्रा करने में सक्षम हुए। इसमें कहा गया है कि एससीआर ने विशेष ट्रेनें चलाकर 20.90 लाख रुपए कमाए हैं। चक्रवात फोनी तीन मई को ओडिशा के पुरी के पास पहुंचा था जिससे 14 जिलों के 1.5 करोड़ से भी अधिक लोग प्रभावित हुए, जिसमें बिजली, पेयजल और दूरसंचार जैसी बुनियादी सुविधाओं को तहस नहस कर दिया।

विनिवेश: सरकार ने एयर इंडिया को 2018-19 का वित्तीय लेखा-जोखा जून तक तैयार करने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

नागर विमानन मंत्रालय ने सरकारी विमानन कंपनी को अपना और अपनी अनुषंगियों के लिए वित्त वर्ष 2018-19 का लेखा-जोखा जून अंत तक तैयार करने को कहा है। एक आधिकारिक दस्तावेज में इसकी जानकारी मिली है। मंत्रालय ने प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा एयर इंडिया की तीन इकाइयों के विनिवेश की प्रक्रिया को तेज करने का निर्णय लिए जाने के बाद यह निर्देश दिया है। वित्त मंत्री अरुण जेटली की अध्यक्षता वाली एक समिति द्वारा पिछले साल मई में एयर इंडिया के विनिवेश की कोशिश असफल होने के बाद जून में इसे कुछ समय के लिए टालने का निर्णय लिया गया। समिति ने इसके बाद कंपनी में पैसा लगाने तथा जमीन एवं अन्य संपत्तियां बेचकर कर्ज कम करने का निर्णय लिया। एयर इंडिया के ऊपर करीब 55 हजार करोड़ रुपए का कर्ज है। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव नृपेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता में इस साल एक अप्रैल को प्रधानमंत्री कार्यालय में एक बैठक हुई जिसमें एयर इंडिया तथा उसकी अनुषंगियों के रणनीतिक विनिवेश के संबंध में चर्चा की गई। नागर विमानन सचिव प्रदीप सिंह खरोला ने एयर इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अश्वनी लोहानी को छह मई को लिखे एक पत्र में कहा, ''प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में एक अप्रैल को एक बैठक हुई जिसमें एयर इंडिया की तीन अनुषंगियों एयर इंडिया एयर ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड और एयरलाइन अलाय्ड सर्विसेज लिमिटेड की विनिवेश की प्रक्रिया तेज करने का निर्णय लिया गया। खरोला ने कहा कि एयर इंडिया और अनुषंगियों की विनिवेश प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए उनके 2018- 19 के आडिट किए वित्तीय लेखा-जोखा की जरूरत होगी। ''इस लिए मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया एयर इंडिया और उसकी अनुषंगियों के 2018- 19 के वित्तीय परिणाम को जून के आखिर तक अंतिम रूप दें दें। उन्होंने कहा कि चूंकि 2018-19 का वित्तीय लेखा-जोखा कंपनी के लिए निविदा का आधार होगा, इसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि इन्हें सावधानी से तैयार किया जाए ताकि इससे सही वित्तीय स्थिति का पता चल सके।

संक्षिप्त समाचार

'वैश्विक संकेतों, वृहद आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के वित्तीय परिणाम से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

नई दिल्ली। वैश्विक संकेतों, वृहद आर्थिक आंकड़ों और कंपनियों के चौथी तिमाही के कमाई के आंकड़ों से इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विशेषज्ञों के मुताबिक चुनावी मौसम को देखते हुए अनिश्चितता की स्थिति बनी रह सकती है और निवेशक सतर्कता का रुख बनाये रख सकते हैं। पिछले सप्ताह अमेरिका एवं चीन के व्यापारिक रिश्तों में तनाव का नकारात्मक असर शेयर बाजारों पर देखने को मिला था। सैमको सिक्योरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक और सीईओ जिमीत मोदी के मुताबिक, इस साल शेयर बाजारों की चाल तीन चीजों पर निर्भर करती है। सबसे पहले तो अमेरिका-चीन के बीच की तनातनी। राजनीतिक नतीजे एवं तिमाही परिणाम। इनमें से किसी भी एक चीज का असर बाजार के रुख पर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कंपनियों के तिमाही नतीजों से ज्यादा असर व्यापार युद्ध और चुनावों का देखने को मिलेगा। मोदी ने कहा कि जैसे-जैसे इनसे जुड़ी गहमागहमी बढ़ेगी, अनिश्चितता के स्तर में भी वृद्धि देखने को मिलेगी । विशेषज्ञों के मुताबिक इस सप्ताह मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी, जो बाजार के रुख के लिहाज से काफी अहम साबित होगी। मौजूदा आम चुनाव के लिए सातवें और अंतिम दौर का मतदान 19 मई को होगा और मतों की गिनती 23 मई को होगी। एपिक रिसर्च के सीईओ मुस्तफा नदीम ने कहा, लोकसभा चुनाव खत्म होने के कगार पर है। यह पहले से अनिश्चितता का एक कारक रहा है लेकिन अब व्यापार युद्ध एवं वैश्विक संकेतों ने उस चीज को काफी हद तक बढ़ा दिया है। इस सप्ताह आईटीसी, एचडीएफसी लिमिटेड, ल्यूपिन, बजाज ऑटो और हिंडाल्को के तिमाही परिणाम आने वाले हैं। शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर में कमी का असर भी देखने को मिल सकता है। पिछले सप्ताह सेंसेक्स में 1,500.27 अंक यानी 3.85 प्रतिशत की भारी गिरावट आयी और यह शुक्रवार 37,462.99 अंक पर बंद हुआ।

इंस्टाग्राम लाने वाला है नई अपडेट, जानकर खुश हो जाएंगे आप

सैन फ्रांसिस्को । फेसबुक के अधिग्रहण वाले मैसेंजिंग एप इंस्टाग्राम एक नए स्टीकर फीचर का परीक्षण कर रहा है जिससे स्टोरीज के पाश्र्व में चल रहे गीत के बोल सुनाई पड़ेंगे। द वर्ज की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल विकसित हो रहे एप का पूर्वानुमान ट्विटर पर एक इंजीनियर जेन मैनचुन वोंग ने लगाया था। उन्होंने तो इसे रिक एश्ले के गीत नेवर गोना गिव यू अप के साथ एक शॉर्ट म्यूजिक वीडियो में दिखाया भी था। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि एप कहां इस फीचर का परीक्षण कर रहा है। इसके यूजर्स के लिए उपलब्ध होने की तिथि भी अस्पष्ट बनी हुई है। लेकिन खबर है कि यह फीचर जल्द ही यूजर्स के लिए उपलब्ध हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, फोटो शेयरिंग एप ने 2018 में अपने स्टोरीज फीचर में संगीत की सुविधा दी थी जिससे यूजर्स अपनी पोस्ट के साथ पाश्र्वसंगीत पोस्ट कर सकें और अपनी स्टोरीज को कुछ विशेष इमेज और वीडियोज के साथ कस्टमाइज कर सकें। रिपोर्ट के अनुसार, इंस्टाग्राम ने दिसंबर में कुछ अतिरिक्त म्यूजिकल फीचर जोड़े थे जिनसे यूजर्स को प्रश्नों का जवाब गानों से देने की सुविधा मिल गई थी।

सिर्फ 20 रुपये में खुलवाएं डाकघर में अकाउंट, मिलेंगे फायदे

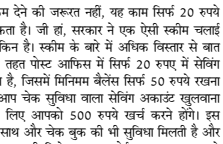

नई दिल्ली । अगर आप डाकघर में अपना खाता खुलवाने जा रहे हैं, तो ये खबर आपके लिए ही है। अब आपको डाकघर में खाता खुलवाने के लिए कोई मोटी रकम देने की जरूरत नहीं, यह काम सिर्फ 20 रुपये में ही किया जा सकता है। जी हां, सरकार ने एक ऐसी स्कीम चलाई है, जिससे यह मुमकिन है। स्कीम के बारे में अधिक विस्तार से बात की जाए तो, इसके तहत पोस्ट आफिस में सिर्फ 20 रुपए में सेविंग अकाउंट खुल जाता है, जिसमें मिनिमम बैलेंस सिर्फ 50 रुपये रखना होगा। वहीं, अगर आप चेक सुविधा वाला सेविंग अकाउंट खुलवाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको 500 रुपये खर्च करने होंगे। इस सेविंग अकाउंट के साथ और चेक बुक की भी सुविधा मिलती है और इसमें 4 फीसदी के याज भी मिलेगा। अगर कोई 10 साल या उससे अधिक उम्र का नाबालिग है तो उसके नाम से भी अकाउंट खोला जा सकता है। हालांकि एक डाकघर में सिर्फ एक खाता खोला जा सकता है। हालांकि एक डाकघर में सिर्फ एक खाता खोला जा सकता है। इस सेविंग अकाउंट को सक्रिय रखने के लिए 3 वित्तीय वर्षों में कम-से-कम 1 लेनदेन जरूरी है। पोस्ट ऑफिस में सेविंग अकाउंट खुलवाने के लिए सिर्फ एक फॉर्म को भरना होता है, जो कि विभाग की साइट से भी डाउनलोड भी किया जा सकता है।

राज्य में 14 से 17 मई के बीच 30 से 40 किमी की तेजी से हवा के साथ बारिश के आसार

सूरत। आगामी दो दिन लघुत्तम तापमान में एक डिग्री की वृद्धि होने से गर्मी बढ़ेगी, वहीं 13 मई से वातावरण में परिवर्तन आने की संभावना है। जबकि अहमदाबाद में गर्मी फिर 40 डिग्री को पार हो जाएगी। मौसम विशेषज्ञ अंकित पटेल की जानकारी के अनुसार सोमवार से राज्य के वातावरण में परिवर्तन आएगा। जबकि 14 से 17 मई के दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की तेजी से ठंडी हवा चलने से वातावरण में परिवर्तन होगा। इन चार दिनों के दौरान कच्छ, सौराष्ट्र तथा उत्तर गुजरात के कुछ भागों में बारिश पड़ने की संभावना है। जबकि 16 मई को इन विस्तारों में हवा और गरज के साथ बारिश होने की प्रबल संभावना है। वहीं अहमदाबाद में बारिश होने की संभावना नहिंवत है। इस प्रकार आगामी सप्ताह में राज्य के अधिकतर विस्तारों में गर्मी का पारा एक से दो डिग्री लुढ़कने से वातावरण में ठंडक का अनुभव होगा।

मौसम विशेषज्ञ की जानकारी के अनुसार, राजस्थान और उत्तर गुजरात पर साइक्लोनिक सर्क्युलेशन सक्रिय होने के कारण तीन दिन तूफान के साथ बारिश पड़ सकती है। उत्तर गुजरात के बनासकांठा, साबरकांठा, पाटण, अरवल्ली, सुरेन्द्रनगर, सौराष्ट्र में राजकोट तथा कच्छ के कुछ विस्तारों में साइक्लोनिक सर्क्युलेशन का असर दिखाई देगा। इन भागों में तेज गति से हवा चलने के साथ सामान्य बारिश पड़ सकती है। तेज हवा के साथ धूल के गुबार उड़ेंगे और वातावरण परिवर्तन होने से लोगों को गर्मी में आंशिक राहत मिलेगी। राज्य की तरफ आने वाली हवा में नमी का पैमाना बढ़ा है।

बैंक के चेकों पर लिखा भाजपा का नारा, छिड़ा विवाद

सूरत । बीजेपी नेताओं ने सूरत के जिला को-ऑपरेटिव बैंक के चेकों पर पार्टी का नारा लिखवाकर एक नए विवाद को जन्म दे दिया है। बैंक के खाताधारकों को जारी की गई चेकबुक में जब लोगों ने सबका साथ-सबका विकास का नारा देखा तो हैरान रह गए। यह नारा हजारों खाताधारकों को जारी की गई चेकबुक के हर चेक के निचले हिस्से में लिखा गया था। बैंक से जुड़े खाताधारकों और जिले के सहकारी नेताओं ने इस नारे चेकबुक पर छापे जाने को लेकर आपत्ति जताई है और वापस लिए जाने की मांग की है। यही नहीं उन्होंने इस बात की भी चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांग को स्वीकार नहीं किया गया तो वह अपने ट्रांजैक्शंस के लिए इन चेक्स का इस्तेमाल नहीं करेंगे। सूत्रों ने कहा कि बैंक के शहर और जिले में 9 लाख से ज्यादा अकाउंट होल्डर्स हैं। बैंक के खाताधारकों में किसान हैं। बैंक में खाताधारकों के कुल फिक्स्ड डिपॉजिट करीब 5,000 करोड़ रुपये के हैं। हाल ही में बैंक के नए मुख्यालय का उद्घाटन सीएम विजय रूपानी ने किया था। इस बैंक की शुरुआत 1909 में क गई थी। देश के 370 और सूरत के 18 को-ऑपरेटिव्स बैंकों में से एक सूरत सहकारी बैंक ने हाल ही में अपना शानदार मुख्यालय स्थापित किया है। सूरत जिला सहकारी बैंक के सदस्य और सूरत जिला पंचायत के निर्दलीय पार्षद दर्शन नाइक ने बताया, गुजरात के सबसे पुराने सहकारी बैंक का मालिकाना हक किसी पार्टी या व्यक्ति के पास नहीं है। बैंक का सीधा संबंध सभी खाताधारकों और सदस्यों से है। बीजेपी के नेता सहकारी बैंक में अहम पदों पर है और असल में वे लोग इसका बेजा इस्तेमाल कर रहे हैं।

सचिन जी.आई.डी. पुलिस ने जुए के अड्डे पर छापा मार पाच जुआरी पकड़े

सूरत। रविवार को सूरत शहर के उन विस्तार में शालीमार सोसाइटी के सामने साई नगर झुप्पडपट्टी के पास जाहेर मुंबई कल्याण से बाहर पड़ने वाले वरली मटका का जुआ पर आंकड़े लिख लिखाकर पैसे का लेन देन कर हार जीत का जुआ खेल रहे थे और लोगों को भी खेलाते थे।

सचिन जी.आई.डी.सी पुलिस ने उपरोक्त जगह पर छापा मारकर मौके पर ही 1. सलमा पुत्री रहमान अैयुब शेख 33 निवासी मकान नं. 160, 161 जिलानी नगर उन सूरत। 2. शबीर मिया शहाबुदीन मिया उम्र 40 निवासी मकान नं. 218 रेशमा नगर भिन्डी बाजार उन सूरत। 3. हकीम रजाक शेख निवासी बी.23/6 भोस्तान आवास डिंडोली सूरत। 4. भावेश भाई योगाजी ससाणे उम्र 45 निवासी आजाद नगर झुप्पड़पट्टी गली नं. 4 भटार चार रास्ता सूरत। 5. कदीर कालेखा पटेल उम्र 55 निवासी जलाराम नगर कब्रस्तान के पास उन सूरत इसके साथ ही मौके पर 16,200 रु. की मत्ता मुद्दामाल भी जब्त किया है। सचिन जी.आई.डी.सी पुलिस ने केस नं. र. नं. 89/2019 जुगार धारा की कलम 12 (अ) के तहत केस दर्ज कर कार्यवाही शुरु कर दी है।

अमरेली पुलिस ने गजीपाना जुआ खेलते छापा मारकर दो किए गिरफ्तार

सूरत। रविवार को सूरत शहर के अमरोली पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अमरोली उत्राण रामपाट के पास झुपडाओं के पास खुली जगह पर छापा मारकर गंजीपाना से जुआ खेलते आरोपी को पकड़ा। पुलिस सूत्रों से मिली सूचना के अनुसार 11-5-2019 को लगभग 4.00 बजे मिली सूचना के आधार पर मौके पर छापा मारकर 50 नग गंजीपाना के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। मौके पर लोगों की अंगझड़ती में कुल नकद 9.000 तथा मोबाइल 200 के साथ कुल मिलाकर 9,200 जब्त किए. मामले की जांच पी.एस.आई. पी.एम. वाला कर रहे है।

लूट के अपराध में फरार रीदा आरोपी सूरत क्राइम ब्रांच ने किया गिरफ्तार

सूरत। रविवार को पुलिस कमिश्नर तथा पुलिस के अन्य उच्चाधिकारियों ने फरार आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए दी सूचना पर डी.सी.बी.पी.आई के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच के पुलिस सब इंस्पेक्टर एम.एस. त्रिवेदी अपनी टीम के साथ फरार आरोपी को गिरफ्तार करने हेतु पेट्रोलिंग में थे कि आज अ.पु.का. महावीर सिंह रणजीत सिंह का अ.पु.का योगेन्द्र सिंह दिलुभा को मिली सूचना के आधार पर वराछा बूट भवानी रोड़ मारुति चौक गायत्री सोसाइटी के पास से पुणा पु.स्टे. गु.र. नं. 136/2019 आई.पी.सी 392,394,342,504,506 (2) 114 तथा जी.पी.ए कलम 135 के तहत अपराध का फरार आरोपी जितेन्द्र उर्फ विपुल उर्फ कालियों पुत्र कनुभाई हरीभाई थलेसा 22 निवासी मकान नं. 143 पहली मंजिल रणुजाधाम सोसाइटी सीता नगर चौकड़ी के पास पुणा बाम्बे मार्केट रोड़ वराछा सूरत मूल निवासी नागधरा गांव तालुका धारी जिला अमरेली को गिरफ्तार कर कायदेसर की कार्यवाही की गई है।

गिरफ्तार आरोपी से पुछताछ करने पर मिली हकीकते के अनुसार फरियादी गजेन्द्र उर्फ विष्णु मानसरोवर स्कूल के पास शाक भाजी मार्केट में टमाटर का व्यापार करता था जिसने वहां आरोपी के मित्र के साथ आरोपी ऋत्विक उर्फ सुलभ उर्फ टाइगर नौकरी करता था। फरियादी ने टमाटर के व्यापार के उपरान्त बेकरी शुरु करने का तय किया जिससे फरियादी तथा ऋत्विक उर्फ सुलभ उर्फ टाइगर दोनों फरियादी के मामा के गाम मथुरा जाकर मामा के बेटे के पास से 1,20,000 ले सूरत आया। ऋत्विक उर्फ सुलभ उर्फ टाइगर को भी रुपये की जरुरत थी। फरियादी के न कहने पर सह आरोपी ऋत्विक को फरियादी अपने वतन से खुब रुपये ले आया है ये सच्चाई उसके मित्र सह आरोपियों नानों भरवाड़ सुरेन्द्र प्रजापति तथा हाल में पकड़े गए आरोपी ने बताया कि ता. 20/4/2019 के दिन नानों भरवाड़ तथा हाल पकड़ा गया आरोपी फरियादी के घर गए और बताया कि उसका कारीगर ऋत्विक उर्फ टाइगर का एक्सीडेन्ट हुआ है। ऐसा बताकर उसे घर से ले नानों भरवाड़ के रम पर ले गया और रुम में फरियादी को मार मार कर धमकी दी कि धन्धे के लिए लाये रुपये कहां रखे है। ये जानकर फरियादी के घर जाकर 71,000 ले आया फरियादी का जबरन मोबाइल ले चाकू मारी किसी को यह बतायेगा तो जान से मार दूंगा ऐसी धमकी दे कर वहां से चला गया। जिस अपराध में पहले दो आरोपी पकड़े जा चुके है उससे बचने हेतु यह आरोपी वतन भाग गया था आज सूरत वापस आते ही गिरफ्तार हो गया। मजकूर आरोपी का गुनाहित इतिहास वराछा में 6 अपराध कापोद्रा में 2 अपराध पुणा में 2 अपराध अमरोली में 1 अपराध सरथाणा में 1 अपराध दर्ज है। इसके अतिरिक्त मजकूर की पासा में भी गिरफ्तारी हुई है। सन् 2014 की साल में तड़ीदार भी हो चुका है।

पालनपुर के पास दुर्घटना की घटना से सनसनी

पालनपुर-अंबाजी रोड पर ट्रिपल दुर्घटना में ३ की मौत

दो कार और एक बाइक के बीच विचित्र दुर्घटना हुई : मासूम बच्चा सहित तीन की मौत को लेकर सनसनी

अहमदाबाद। पालनपुर-अंबाजी रोड पर रविवार को रतनपुर गांव के पास मुख्य हाइवे पर रविवार को एक बाइक और दो कार के बीच ट्रिपल दुर्घटना हुई, जिसमें एक बच्चा सहित कुल तीन व्यक्तियों की मौत होने पर पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। दुर्घटना की घटना की वजह से हाइवे पर ट्राफिकजाम हो गया और लोगों की भीड़ घटनास्थल पर पहुंच गई। दूसरी तरफ, एक मासूम बच्चा सहित तीन की मौत को लेकर स्थानीय निवासियों में शोक की लहर फैल गई। इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों को पालनपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, पालनपुर-अंबाजी रोड पर फॉर लेन बनाने का काम चल रहा है, पिछले कई दिनों से चल रहे यह काम को लेकर यह हाइवे पर अक्सर दुर्घटना होती रहती है लेकिन प्रशासन द्वारा इसके प्रति गंभीर अनदेखी की जा रही है, जिसकी वजह से यह हाइवे पर रविवार को रतनपुर गांव के पास एक बाइक और दो कार के बीच ट्रिपल दुर्घटना हुई। इस भीषण दुर्घटना में एक मासूम बच्चा सहित कुल तीन व्यक्तियों की मौत घटनास्थल पर हो गई थी, जबकि अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये थे। दुर्घटना की वजह से हाइवे पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई और तुरंत घायलों को निकट के पालनपुर अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

ब्याज खोरों के त्रास से त्रस्त प्रशान्त कुमार ने की आत्महत्या

सूरत। रविवार को शहर के अठवा पुलिस स्टेशन विस्तार में ब्याज खोरों के त्रास से त्रस्त प्रशान्त कुमार ने 9-5-2019 को सुबह लगभग 10 बजे के आस पास एसिड पिकर आत्महत्या का प्रयास किया। तथा 11-5-2019 को उपचार के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार फरियादी वेन का पति प्रशान्त कुमार लगभग दो ढाई वर्ष पहले संजय वीरमा नामक ब्याजखोर से जो वयुग कालेज के पास रांदेर रोड़ पर रहता से 10 प्रतिशत ब्याज पर साढे चार लाख रुपये लिये थे जो रुपये फरियादी वेन के पति ने थोड़ा थोड़ा करके ब्याज के साथ चुका दिया था किन्तु पैसे लेने के बाद भी आरोपी बार बार उधारणी करके प्रशान्त को हैरान परेशान का पेसे की मांग करता रहा जिससे तंग आकर प्रशान्त कुमार ने 9-5-2019 को एसिड़ पिकर आत्महत्या का प्रयास किया जिन्हें उपचार हेतु हास्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान ता. 11-5-2019 में उनकी मौत हो गई। अठवा पुलिस ने गु.र.न. 83/2019 आई.पी.सी के कलम 306,406, तथा नाणा धीरनार सन 2011 की कलम 5,33,42 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। मामले की जांच पी.एस.आई वी.रम जोगड़ा कर रहे है।

बाम्बे मार्केट की पांच व्यापारी एक करोड़ इकसढ लाख में उठे

सूरत। रविवार को सूरत शहर के प्रतिष्ठित मार्केटों में वराछा का बाम्बे मार्केट में वराछा के बाम्बे मार्केट भी एक है, यहां के कई व्यापारी दुकान नं. क्यू 12 के शुभम फैशन के गुणाभाई जीणा भाई दुकान नं. क्यू 5 के वीरभूमि फैशन के शैलेशभाई टबा भाई माधाभाी कलसारिया 2. मानजीभाई कालूभाई भावन भाई कलसरिया दुकान नं. पी 23 आस्था क्रिएशन के मुकेश कालूभाई वाणिया आदि ने एक जुट हो अपने व्यक्तिगत आर्थिक लाभ हेतु फरियादी गौरी शंकर मातादीन चौथमल अग्रवाल तथा अन्य व्यापारियों के पास से 1,61,75,990 जितनी रकम का कपड़े का माल लेकर माल की रकम देने के झूठे वायदे करते हुए एक साथ दुकाने बंद कर भाग गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार उपरोक्त फरियाद फरियादी ने स्वयं पुलिस स्टेशन में आकर दी है। तथा वराछा पु.स्टे. गु.र. नं. 22/2019 आई.पी.सी की कलम 406,409, 420,114 के तहत दर्ज कर जांच कार्य शुरु कर दिया है। मामले की जांच पु.स.ई.पी.डी वांदा कर रहे है।

भीषण गर्मी जारी है तब अचार के लिए आम बाजार में आ गये हैं।

भरूच में पानी चोरी के मामले में भाजपा के नेता गिरफ्तार

गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों में भाजपा के नेता की जमानत स्थानीय निवासियों में विशेष करके किसानों में गुस्सा

अहमदाबाद । भरूच में पानी चोरी के मामले में पुलिस द्वारा आखिर में भाजपा के स्थानीय नेता परेश पटेल की गिरफ्तारी की गई थी लेकिन गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों में भाजपा के नेता को जमानत मिल गई। भाजपा के जिला पंचायत के सदस्य परेश पटेल अपने खेत की निजी तालाब में निकट के नर्मदा नहर से बाहर ही बाहर लाखों लीटर पानी लिया गया। जिसकी वजह से भाजपा के परेश पटेल पर आचारसंहिता की धारा-४८० के तहत नहर में से पानी चोरी के आरोप में उनकी गिरफ्तारी की गई थी। लेकिन गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों में भाजपा के नेता को जमानत मिल गई। इसे लेकर स्थानीय निवासियों में विशेष करके किसानों में भारी नाराजगी फैल गई। भीषण गर्मी में एक तरफ पूरे राज्य में पानी की गंभीर जल संकट का मामला जोर शोर से उठाया जा रहा है तब दूसरी तरफ, फिलहाल में ही भरूच में भाजपा के जिला पंचायत के सदस्य परेश पटेल द्वारा नर्मदा नहर से लंबी पाइप लगाकर लाखों लीटर पानी बाहर ही बाहर अपने विशाल निजी तालाब मे डलवा दिया और जल संकट के हंगामे के बीच लाखों लीटर पानी की चोरी की थी। एक तरफ, किसानों, आदिवासियों और पिछड़े वर्ग के लोगों को पीने के पानी की एक-एक बूंद नहीं मिलता है तब भाजपा के नेता द्वारा लाखों लीटर पानी की चोरी को लेकर भारी विवाद पैदा हो गया। यह पूरे मामले में शिकायत दर्ज होने पर पुलिस ने आखिर में परेश पटेल की गिरफ्तारी की। दूसरी तरफ, परेश पटेल ने पूरे मामले में बताया कि, मैंने पानी लेने के लिए सिंचाई विभाग से अर्जी की थी। लेकिन सिंचाई विभाग की तरफ से कोई जवाब नहीं मिलने पर हमने पानी नहर में से अपने तालाब में भरा था। जिसकी वजह से यह पूरा मामला विवादित बन चुका था भरूच में पानी चोरी की जानकारी मिलने पर सिंचाई विभाग के अधिकारी तुरंत पहुंच गये। पानी चोरी के आरोप को लेकर बाद में शिकायत की गई थी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)